The Department of Hindi

B.A. 3 Years Degree Course
Programme and Course outcome (s)
Hindi Honours

Po-1. विश्व-मानवतावाद एवं विश्वबंधुत्व की भावना से प्रेरित मानव-जीवन को सुन्दरतम् बनाने के लिए प्रयत्नशील, जीवन-सापेक्ष साहित्य के द्वारा ऐसा संवेदनशील मनुष्य बनाना, जिसमें प्राणिमात्र के दुःख-शोक व राग-विराग को समझने की सहानुभूतिमय दृष्टि जागृत हो जाय।

Po-2. हिन्दी साहित्य के स्वरूप और चिन्तन के साथ उसके कथ्यगत और रूपगत विविधताओं और विशेषताओं की सम्यक् जानकारी प्रदान करना।

Po-3. हिन्दी साहित्य के गद्य और पद्य के विविध रूपों की कलागत वैशिष्टय के माध्यम से हिन्दी की विविध विधाओं के भावों, विचारों, विमर्शों के विश्लेषण और विवेचन की समझ विकसित करना।

Po-4. हिन्दी साहित्य के पाठ्यक्रम के माध्यम से विश्व-साहित्य के विविध रूपों, विचारधाराओं, विमर्शों और शैलियों के परिचय के साथ विश्व-संस्कृति और समाज का दिग्दर्शन कराना।

Po-5. हिन्दी भाषा और व्याकरण के अध्ययन के माध्यम से छात्रों में श्रवण, वाचन, पठन और लेखन की क्षमता-वृद्धि करना।

Po-6. हिन्दी साहित्य के पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को प्रतियोगिता मूलक परीक्षा के लिए तैयार करके उनमें संघर्ष-क्षमता विकसित करना, जिससे वे जीवन में सफलीभूत होकर अपने भावी-जीवन का आधार सुदृढ़ कर सकें।

Semester - 1

Co-1. हिन्दी भाषा के उद्‌भव और विकास के साथ हिन्दी साहित्य के आदिकाल से रीतिकाल के साहित्य की पृष्ठभूमि, प्रमुख काव्यधाराएं-उनकी प्रमुख प्रवृतियाँ, प्रमुख कवियों एवं उनकी प्रमुख रचनाओं के काव्य-शिल्प का ज्ञान कराना।

Co-2. आधुनिक काल की सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनीतिक पृष्ठभूमि, खडी बोली हिन्दी की विकसित विविध गद्य-विधाएं, काव्यधाराएं-उनकी प्रमुख प्रवृतियां, प्रमुख साहित्यकारों, कवियों के रचनागत वैशिष्ट्य के साथ विविध साहित्यिक आन्दोलनों, वादों और विमर्शों से परिचित कराना।

Semester - 2

Co-3. कहानी-कला की विशेषताएं, हिन्दी कहानी का उद्‌भव और विकास, प्रमुख कहानीकार, श्रेष्ठ कहानियों का संवेदना-शिल्प, सामाजिक सरोकार और प्रभाव का विवेचन करना।

Co-4. उपन्यास कला की विशेषताएं, हिन्दी उपन्यास का उद्‌भव और विकास, उपन्यासों के विभिन्न प्रकार, प्रमुख उपन्यासकार और उनके उपन्यासों का शिल्पगत वैशिष्ट्य, उनमें वर्णित समाज का परिदृश्य तथा उनके प्रभाव का ज्ञान कराना।

Semester - 3

Co-5. हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि-संस्कृत, प्राकृत अपभ्रंश भाषा, हिन्दी की विविध बोलियों की व्याकरणगत और ध्वनिगत विशेषताएं। खड़ी बोली हिन्दी के स्वरूप और विकास में भारतेन्दु और महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान से अवगत कराना।

Co-6. नाट्य-कला, एकांकी कला की विशेषताएं, हिन्दी नाटक और एकांकी का उद्‌भव और विकास, प्रमुख नाटककार और एकांकीकार और उनकी रचनाओं की उपलब्धियों का ज्ञान कराना।

Co-7. भक्तिकाल और रीतिकाल की पृष्ठभूमि, दोनों कालों के प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं का महत्त्व दिग्दर्शित कराना।

Semester - 4

Co-8. प्रयोजनमूलक हिन्दीः क्षेत्र, प्रयुक्तियाँ, अनुवाद का महत्त्व, प्रशासनिक पत्राचार के विविध रूपों, जनसंचार के विविध-माध्यमों की उपलब्धियों से अवगत कराना।

Co-9. निबंध-कला की विशेषताएं, हिन्दी निबंध के उद्‌भव और विकास, विविध प्रकार, प्रमुख निबंधकारों और उनके निबंधों में निहित विचारों और उनकी निबंध-शैलियों की जानकारी देना।

Co-10. आधुनिक काल- भारतेन्दु से लेकर छायावाद-युग की विविध काव्यधाराएं- उनकी प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं के काव्य-शिल्प का विवेचन करना।

Semester - 5

Co-11. काव्यलक्षण, काव्यहेतु और काव्य प्रयोजन के संदर्भ में भारतीय तथा पाश्चात्य दृष्टिकोण तथा भारतीय व पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विविध काव्य सिद्धान्तों का ज्ञान कराना।

Co-12. छायावादोत्तर काल की विविध काव्यधाराएं और उनकी प्रमुख प्रवृतियाँ, प्रमुख कवि और उनके कार्य की उपलब्धियों की जानकारी देना।

Semester - 6

Co-13. हिन्दी आलोचना के उद्‌भव-विकास, विविध प्रकार, प्रमुख आलोचक- उनकी आलोचना दृष्टि, समीक्षा शैली तथा उनके रचनात्मक अवदान के साथ विविध वादों के संदर्भ में ज्ञान-वृद्धि कराना।

Co-14. हिन्दी कथेतर साहित्य-आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोतार्ज, तथा यात्रावृतांत का उद्‌भव विकास, प्रमुख कथेतर गद्य-साहित्य के शिल्प की समझ विकसित करना।